

हुगली के नीचे बन रही देश की पहली अंडरवाटर टनल, अड़चनों के बावजूद नदी के अंदर पूरा हुआ टनल बोरिंग का काम लंदन, न्यूयॉर्क जैसे कोलकाता में नदी के अंदर चलेगी मेट्रो



रचना ने किया निर्माण

पानी के अंदर इस आधा किमी लंबी सुरंग बनाने के लिए रचना नाम की टनल बोरिंग मशीन का इस्तेमाल हुआ। यह मशीन जर्मनी की एक कंपनी से खरीदी गई।

अभूतपूर्व परियोजना

16.3 किमी : मेट्रो परियोजना की कुल लंबाई

10.2 किमी : सुरंग का भूमिगत हिस्सा

502 मीटर : पानी के अंदर मौजूद भाग

12 मेट्रो स्टेशनों की संख्या

2019 बनकर होगा तैयार

5000 करोड़ रुपये परियोजना की लागत



संजय सिंह • नई दिल्ली

देश की पहली अंडरवाटर टनल (सुरंग) कोलकाता में हुगली नदी के नीचे बन रही है। कोलकाता मेट्रो के दूसरे चरण के तहत इस सुरंग का निर्माण जापान के सहयोग से भारतीय रेल द्वारा किया जा रहा है। इसके पूरा होने पर कोलकाता का नाम विश्व के उन चुनिंदा महानगरों में शामिल हो जाएगा जहां मेट्रो की लाइन नदी के अंदर से गुजरी है।

रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार हुगली नदी के नीचे बनाई जा रही दोहरी सुरंग की लंबाई 520 मीटर है। प्रत्येक सुरंग का भीतरी व्यास 5.55 मीटर तथा दीवार की मोटाई 275 मिलीमीटर है। ये नदी की तलहटी से 13 मीटर नीचे हैं। एक सुरंग का काम 21 अप्रैल, 2016 को और दूसरी का 12 जुलाई 2016 को हावड़ा मैदान से शुरू हुआ था, लेकिन विभिन्न अड़चनों के कारण इन्हें नदी तक पहुंचने में एक साल का समय लग गया। बीते 22 मई को इनमें

सुरक्षा के इंतजाम

सुरंग के भीतर दोनों ओर राहत, बचाव कार्यों तथा यात्रियों की आपातकालीन निकासी के लिए रास्ते होंगे। इसके अलावा वेंटिलेशन और आग से सुरक्षा के सारे इंतजाम भी किए जाएंगे। इसके लिए हावड़ा और महाकरन स्टेशनों के बीच की वेंटिलेशन शाफ्ट के अलावा स्टैंडरोड पर अतिरिक्त वेंटिलेशन शाफ्ट बनाई जा रही है।

से एक की मशीन ने नदी को पार कर लिया था। अब बाकी कार्य के भी तेजी से पूरे होने की संभावना है।

हुगली सुरंग पूरा होने से नदी के पश्चिमी ओर स्थित हावड़ा स्टेशन पूर्व में स्थित महाकरन, सियालदह, फूल बागान, साल्टलेक स्टेडियम, बंगाल केमिकल्स, सिटी सेंटर, सेंट्रल पार्क, करुणामई और साल्ट लेक सेक्टर-5 स्टेशनों से जुड़ जाएंगे। इन स्टेशनों के बीच रोजाना हजारों कोलकातावासियों का आवागमन होता है।

हावड़ा और सियालदह स्टेशनों के बीच मेट्रो संपर्क स्थापित होने से उत्तरी 24 परगना, दक्षिणी 24 परगना और नाडिया जिले के हजारों यात्रियों का रोजाना का सफर आसान हो जाएगा।

कोलकाता मेट्रो रेल के दूसरे चरण की परियोजना जापान के सहयोग से पूरी की जा रही है। इस पर आने वाली लगभग 5000 करोड़ रुपये की लागत जापान बैंक ऑफ इंटरनेशनल कोऑपरेशन (जेबीआईसी) के वित्तीय सहयोग से पूरी की जाएगी। दूसरा चरण लगभग 16.34 किलोमीटर लंबा है। इसमें कुल 12 स्टेशनों का निर्माण होगा। इनमें आधे जमीन के भीतर और आधे खंभों पर (एलिवेटेड) होंगे। दूसरे चरण के 2018 तक पूरा होने की उम्मीद है।

हुगली सुरंग के साथ ही कोलकाता का नाम लंदन, न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, सिंगापुर और हांगकांग जैसे विश्व के उन विकसित शहरों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जहां मेट्रो की लाइन नदी के नीचे से निकाली गई है।